

ज्ञानवापी तहसीलों के सर्वे की मांग पर सुनवाई टली

तीन मई को नए जिला जज करेंगे मामले की सुनवाई

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। जिला एवं सत्र न्यायालय में जिला जज की अदालत में शुक्रवार को ज्ञानवापी ममले में सुनवाई थी, जो टल गई है। अब अगली सुनवाई 3 मई को तय की गई है। हाईकोर्ट की ओर से तैनाती के बाद नवनियुक्त जिला जज आज ज्ञानवापी पर जुड़ा पहला केस सुनेंगे। इसके अलावा ज्ञानवापी के समेकित किए गए आठ केस को पत्राली भी पढ़ी जानी है। ज्ञानवापी पर जुड़ा पहला केस सुनेंगे।

ज्ञानवापी के समेकित किए गए आठ केस को पत्राली भी पढ़ी जानी है। ज्ञानवापी पर जुड़ा पहला केस सुनेंगे।



दायर की थी। इसमें ज्ञानवापी परिसर में बंद दो अन्य तहखानों को खोलने और उनके एसआई सर्वे की मांग की गई है।

याचिका में बंद तहखानों का नवशा भी लगाया गया है। अन्य गुप्त तहखाने जो तहखानों के अंदर हैं। आज जिला जज केस में उकाई भी सर्वे करने की मांग की गई है। अपील में कहा गया है कि

खोलकर पूजा-पाठ की अनुमति दी गई है उसका छत जर्जर होने के कारण उस पर मुस्लिमों के नमाज पढ़ने और चलल कदमों पर रोक लगाने की मांग की गई है। ज्ञानवापी आदि विश्वेश्वर विजामन के संरक्षक और विवर वैदिक सताना संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह विसेन ने बताया कि तहखानों में कई राज छिपे हैं। अभी तक जो भी समाने आया है वह आदि विश्वेश्वर मंदिर के रहस्य का केवल 5.00% ही है। बाकी तो अभी भी रहस्यात्मक बना हुआ है। जितेंद्र सिंह विसेन ने कहा कि तहखानों के अंदर के रहातों का पूरा मैं है। आज जहां तहखानों में पूजा हो रही है, वहां से आगे रास्ता जाहा है। 2 तहखानों को पार करने के बाद एक रास्ता है, जहां से मंदिर की पूरी सच्चाई पर चलेगा। दर ढेंड से दो मिनट के अंतराल पर यात्रियों के लिए गंडोला उत्तरव्य रहेगा। 150 गंडोला से रोजाना 6 हजार यात्री सफर करेंगे। रोजे के लिए स्विटजरलैंड और अस्ट्रिया से उकरण मंगाए जा रहे हैं। रोपवे को दिव्यांगजन के अनुकूल बनाया जा रहा है। दिव्यांगजन का लिए गंडोला की संरें फोल्ड हो सकेंगी, ताकि हील चेयर असानी से प्रवेश कर सके।

शेषायात्रा में रामलला की मूर्ति होगी आकर्षण का केंद्र

प्रभु राम को समर्पित होगी
श्रीहनुमान ध्वजा यात्रा

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। श्री हनुमान सेवा समिति द्वारा निकली जाने वाली हनुमान ध्वजायात्रा इस बार प्रभु श्रीराम को समर्पित होगी। 20 वर्षों से निकली जा रही ध्वजायात्रा इस वर्ष 23 अप्रैल मंगलवार को भव्य रूप से निकली जाएगी।

संयोजक रामबली मौदी ने बताया कि श्री राम मंदिर की जांकी सबसे खास होगा, इसके लिए विशेष तौर से एक ट्रॉली तैयार की गई है। उस पर अयोध्या के श्रीराम की जांकी संराई जाएगी। यह मंदिर करीब 25 फॉट लंबा, 22 फीट ऊँचा और 15 फीट चौड़ा बनाया जाएगा। ग्रामीण अंचलों से इस बार के ध्वजायात्रा के लिए लोगों में इस बार को रामलला (अयोध्या) की प्रतिकृति वाली



प्रतिमा बैठाइ जाएगी। यह विशेष रूप से अयोध्या से ही मंगाई गई है। ध्वजायात्रा में इस बार 40 हजार से ज्यादा द्राघालु शामिल होंगे। जिनके द्वारा 11,000 ध्वजाएं श्री संकरमोचन हनुमान जी के चरणों में समर्पित किया जाएगा। 25 फॉट लंबा एक विशेष ध्वज भी प्रभु के चरणों में समर्पित किया जाएगा। इसमें विभिन्न देवताओं के देवरस्वर में श्रीराम, जानकी, हनुमान, बाबा भोलेनाथ के साथ ही वार रसना भी आकर्षण का केंद्र होगा।

समिति के आठ कार्यक्रमों जिसमें रामसिंहपुर (कछवा के पास), कोनिया, अदलुरा, जानकी नगर, शिवतनुर, बजरिडां, खोजवा, डाकी से सुधर 5 बजे से ही भक्तों का जर्जर अपनी अपनी ज्ञानियों के साथ प्रभारीपुर तिराह पर पहुँचा। इसमें विभिन्न देवताओं के चरणों में समर्पित किया जाएगा। ग्रामीण अंचलों से इस बार के ध्वजायात्रा के लिए लोगों में इस बार को रामलला (अयोध्या) की प्रतिकृति वाली

नारी शक्ति कार्यक्रम अंतर्गत कराया गया योगाभ्यास

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। गविवार को नमामि गये वाराणसी महानगर व स्पूणांसंस्कृत महाविद्यालय के

तत्वावधान में योग शिक्षक राजकुमार मिश्र द्वारा नववार के अवसर पर नारी शक्ति कार्यक्रम के तहत मातृशक्ति के आरंभ सुख की कामना से लोगों का नयो घाट पर योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार, दीपशिखा, सपूणार्नद के योग गुरु राजकुमार के नमस्कार, शीर्षायाम, सर्व दंकासन, शीर्षायाम, मंडकासन, भ्रामी मन को शारीरिक अस्थाया का निरुत्त्व वाली के अन्तर्गत वाली को ठीक रखने के लिए वज्रासन, योगासन निरामय अंचलों में पाठेंडेशन के मनोज कुमार, विजय कुमार,

बड़े बकाएदारों की संपत्ति जल करेगा राजस्व परिषद

चेयरमैन ने समीक्षा में दिए सख्ती के निर्देश

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। उप्र राजस्व विकास परिषद के चेयरमैन डा. रजनीश दुबे ने शुक्रवार को वाराणसी में राजस्व वाद निर्धारण की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व वादों, रियल टाइम खत्तौनी, खसरा, खत्तौनी पुनर्निर्माण, अंश निर्धारण आदि की प्रगति जानी। राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी लाए जाने का निर्देश दिया तो बड़े बकाएदारों से वसूली में बढ़ते भाव कही। चेयरमैन ने सख्त निर्देश दिया कि धनराशि अंदा नहीं करने वाले बकाएदारों की संपत्ति को जल कर के रिकवरी की जाए। शुक्रवार को अवधारणा राजस्व परिषद डा. रजनीश दुबे ने आयुक्त सभापाल में आला अधिकारियों के स्थान बैठक की। उन्होंने राजस्व वादों, रियल टाइम खत्तौनी, खसरा, खत्तौनी पुनर्निर्माण, अंश निर्धारण की तहसील वार समीक्षा की। तहसील वार घरौंनी



रिपोर्ट की प्रगति की भी समीक्षा की। जिसमें इ-खत्तौनी में पिंडा तहसील के कार्यों पर संतोष जताया तो सदर तहसील को 15 जून तक तथा राजातालाब को 15 जून तक टीम बाताक कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। अंश निर्धारण में तेजी लाने हेतु जिलाधिकारी तथा एसीएम प्रशासन, अपर आयुक्त प्रशासन, निर्धारण तथा घरौंनी पर तेजी लाने

सिटी, एडीएम प्रशासन, एडीएम एफआर, एडीएम प्रोटोकोल, एसडीएस सरपर, राजातालाब, पिंडा एसडीएस प्रतिभा उपरिषद रहे। ब्लाक प्रशासन की ताकि तकलीफ समस्या का समाधान किया जाए। कंट्रोल रूम में कर्मियों की इस्तीलाई गई है। सहायक विकास अधिकारी पंचायत कमलश कुमार सिंह ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल समस्या के निवारण हेतु कंट्रोल रूम खोला गया है। कंट्रोल रूम प्रभारी शिवम शरण सोनकर बनाए गए हैं। उनके बाद कोई भी फोनर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उनका मोबाइल नंबर 8948833832 है। इस पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने बताया कि विकास खण्ड में कुल 3765 हैंडपम्प हैं। इसमें 341 मरम्मत योग्य थे। 210 हैंडपम्पों का कालाकार प्रशासन द्वारा दिया गया है। रिवार योग्य 152 हैंडपम्पों में से 20 हैंडपम्प रिवार भी हो गये हैं। मरम्मत योग्य हैंडपम्पों का दो दिन के अन्दर मरम्मत करा दिया जा रहा है। रिवार योग्य हैंडपम्प एक साथ में चालू करा दिए जाएं। सहायक विकास अधिकारी तथा शुक्रवार को बैठक कर समीक्षा करने हेतु जिनके तेजी से नियारण करने का लगातार प्रशासन किये जा रहे हैं।

कालाकारी वैकेंड में मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा, जिलाधिकारी एस राजिनगंग, अपर आयुक्त प्रशासन, निर्धारण तथा घरौंनी पर तेजी लाने

अक्षयवट हनुमान मंदिर के पुजारी को मातृ शोक

वाराणसी (सं.)। चैबेपुर वाना क्षेत्र के उग्रार के समाप्त गत दिनों वाराणसी गाली हावी पर तेज रफ्तार कार के टक्कर में दो हाकरों की मौत हो गई थी। वहाँ तीसरा युवक प्रमोद कुमार पंगीर रूप से घावल था गया था। जिसका बीच्यू स्थित ट्राम सेन्टर में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान ही शुक्रवार को तीसरे हाकर प्रमोद कुमार का भी नियन हो गया। हाकर के निधन की सूचना घर में पहुंचते ही कोहराम मच गया। जानकारी के मुताबिक, विगत छः दिनों से प्रमोद

कुमार जिंदाबाद हो गया।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत्नी हिना देवी, उसकी बहन और माता कमला देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रमोद कुमार की शारी 7 साल पहले हिना देवी हुई थी। उसके दो बच्चे आरुष और आरा व्रतमः 5 वर्ष और 3 वर्ष के हैं। घटाना के बाद पत

संपादकीय

दुष्कृति संकट कुदरत से खिलवाड़ का नतीजा

युक्त अरब अमीरात और खाड़ी के कुछ अन्य देशों में अचानक आई भारी व असामान्य बारिश ने इंसान को तमाम सबक दिए हैं। जिन देशों को अपनी समुद्धि व संपन्नता का दंध था, वहाँ आई मूसलाधार बारिश ने सारी आधुनिक व्यवस्थाएं ध्वस्त कर दी। दुनिया का सबसे ज्यादा आधुनिक व चहल-पहल वाला दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट अराजकता का शिकार हो गया। सैकड़ों उड़ाने रद्द हो गई। दुनिया के चौथे के हवाई अड्डों में शामिल जिस दुबई एयरपोर्ट में पिछले साल आठ करोड़ यात्रियों की आमद थी, एक मूसलाधार बारिश से उसकी सारी व्यवस्थाएं चौपट हो चुकी थीं। इस दौरान ओमान में 19 लोगों की मौत के अलावा अन्य देशों में भी लोगों के हताहत होने की आशंका है। बताते हैं कि अभी भी कई निचले इलाकों में बारिश का पानी भरा हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात में पिछले 75 साल बाद रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। बाढ़ग्रस्त इलाकों में डूब वाहन और बारह लेन वाले हाईवे पर लगा जाम बता रहा है कि कुदरत की माया के आगे मानव का विकास अभी भी बौना ही है। फिर मध्यपूर्व के रेगिस्टानी इलाकों में मूसलाधार बारिश का होना निश्चित ही अचरज की बात है। अचानक आई इस बारिश और बाढ़ के जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव कहा जा रहा है। लेकिन वहीं लोग आरोप लगा रहे हैं कि यह घटना विशुद्ध रूप से प्रकृति से मानवीय छेड़ाइ का नतीजा है। आलोचक इस असामान्य बारिश को लूलाउड सीडिंग कहा जाता है। दरअसल, प्रकृति तरीके से बारिश करने की कोशिश को ही कलाउड सीडिंग कहा जाता है, जिसमें बाल में बारिश के बीज बोने के लिये कृत्रिम तरीके से प्रयोग किये जाते हैं। ऐसे कुछ प्रयास यूई में किये जा रहे थे। एक अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट में बायावा व सोमवार को यूई में कलाउड सीडिंग की योजना बनायी गई थी और मंगलवार को भयावह बाढ़ के हालात पैदा हुए हैं। आशंका जाती जारी रही है कि क्या कृत्रिम बारिश के प्रयासों के चलते यह स्थिति पैदा हुई है? बहराहाल, आने वाले बर्फ के अध्ययन हमें बताएंगे कि इस अपादा के अनें में कलाउड सीडिंग की किन्ती भूमिका थी। वैसे दुनिया के तमाम देशों में संकट के समय कलाउड सीडिंग करने के मामले सामने आते रहते हैं। किन्ती देशों में सामरिक तो कहीं कृषि उद्योगों के लिये कृत्रिम बारिश का सहारा लिया जाता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के चलते बदले हालात में यह संकट गहरा हो जाता है। उल्लेखनीय है कि कृत्रिम बारिश का सहारा तब लिया जाता है, जब हवा की नमी की कमी के चलते बारिश नहीं हो पाती। भारत में साठ के दशक में कृत्रिम बारिश का प्रयोग किया गया था। दरअसल, बारिश के बीजों के रूप में सिल्वर आयोडाइड, पोटेशियम क्लोराइड व सोडियम क्लोराइड जैसे पदार्थों का उपयोग किया जाता है, जिनका हवाई जहाज की मदद से बादलों में छिड़काव किया जाता है। इससे वर्फ के कण बादलों की नमी के साथ मिलकर बारिश होने की प्रक्रिया को अंजाम देते हैं। दरअसल, आधुनिक विकास के मोह में संयुक्त राज्य अमीरात अपने व्यापारिक उद्योगों व नागरिकों के लिये बायावा व सोमवार को यूई में कलाउड सीडिंग की योजना बनायी गई थी और मंगलवार को भयावह बाढ़ के हालात पैदा हुए हैं। आशंका जाती जारी रही है कि क्या कृत्रिम बारिश के प्रयासों के चलते यह स्थिति पैदा हुई है? बहराहाल, आने वाले बर्फ के अध्ययन हमें बताएंगे कि इस अपादा के अनें में कलाउड सीडिंग की किन्ती भूमिका थी। वैसे दुनिया के तमाम देशों में संकट के समय कलाउड सीडिंग करने के मामले सामने आते रहते हैं। किन्ती देशों में सामरिक तो कहीं कृषि उद्योगों के लिये कृत्रिम बारिश का सहारा लिया जाता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के चलते बदले हालात में यह संकट गहरा हो जाता है। उल्लेखनीय है कि कृत्रिम बारिश का सहारा तब लिया जाता है, जब हवा की नमी की कमी के चलते बारिश नहीं हो पाती। भारत में साठ के दशक में कृत्रिम बारिश का प्रयोग किया गया था। बहराहाल, यूई, ओमान व सउदी अरब जैसे इलाकों में ऐसी भारी बारिश हमारे नीति-नियंताओं को विकास योजनाओं को लेकर नये सिरे से विचार करने को मजबूर कर रही है। इन देशों को अपनी सड़कों व अन्य विकास कार्यों को अब बारिश के ऐसे संकट को नजर में रखकर तैयार करना होगा। साथ ही मनुष्य को इस तथ्य को गंभीरता से स्वीकारना होगा कि प्रकृति के साथ अन्याय करने पर हमें उसका प्रतिकार सहने के लिये तैयार रहना होगा।



जा पर कृपा राम की होई।
ता पर कृपा करहिं सब कोई॥
जिनके कपट, दम्भ नहिं माया।
तिनके हृदय बसाहु रघुराया॥

आज का राशिफल



मेष- चिरवालित कार्यों में सफलता, शारीरिक सुख, नवउत्तरदायित्व का निवाह, 'बकाए धन की प्राप्ति का सुयोग, अधीनरथ कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त।

वृषभ- निराशा, स्वास्थ्य में शिथिलता, योजना अपूर्ण, अपव्यय, शेष समय में वैतिक सुख सुविधा में वृद्धि, अध्यवसाय की ओर रुझान।

मिथुन- समय बेहतर, नवयोजना दृष्टिगत, वैमनस्यता का समापन, शेष समय में दैनिक कार्यों के प्रति उदासीनता, समस्याओं से मिथुन।

कर्क- बुद्धि चारुय से कुछेक कार्यों में अनुकूलता, नौकरी में पदान्ति, धन संचय की ओर प्रवृत्ति, वैवाहिक जीवन में मधुरता, आवागमन में सफलता, लाप्त भी।

सिंह- दिनचर्या व्यवस्थित, समस्या का संतोषजनक समाधान, प्रियजनों से अनुकूलता, व्यापारिक वातावरण मनोनुकूल, व्यक्तिकृत का विकास, प्रेम सम्बन्धों में मधुरता।

कन्या- प्रतिकूलता प्रभावी, व्यापारिक पक्ष से चिन्तित, वाहन से भय, शेष समय में अधूरे कार्य प्रगति पर, आर्थिक लाभ, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क।

तुला- किसी योजना का व्यापेश, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि, शेष समय में स्वास्थ्य प्रभावी, पठन-पाठन में असुख, लाभ का मार्ग अवरुद्ध।

वृद्धि- अधूरी या नवयोजना पर कार्यारम्भ संभव, यश-मान-प्रतिष्ठापक कृत्य सम्पादित, स्वास्थ्य सुधार पर, आपसी वैमनस्यता का समापन, यात्रा सुखद।

धनु- स्वयं का लिया गया निर्णय हितकर, अधूरी योजना पर मित्रों से विचार-विमर्श, धन संचय में प्रवृत्ति, प्रभावशाली हस्तियों से सम्पर्क, प्रेम सम्बन्धों में प्रगदाता।

मकर- प्रतिकूलता, कष्ट, अपूर्ण समय में कर्मी, अभीष्ट सिद्धि का प्रयास सार्थक।

कुम्ह- शुभ परिवार में मंगल आयोजन, मित्रों से सहयोग, मेल-मिलाप में रुचि, शेष समय विपरीत, मनोबल में कर्मी, कठिनायों से तनाव।

मीन- मौर्यभालिषं योजना में सफलता, स्थान-परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, बकाये धन की प्राप्ति, भोग-विलासित की ओर रुझान, व्यक्तिगत जीवन में उपलब्धि।

मशीनें न बन जाएं हम: क्यों परेशान थे लोकेशजी



लोकेश अंकल इंतजार करते मिलते। वहाँ से कभी इस धर और कभी नहीं आता है।

जब नेताजी होगये भावुक

जब नेताजी को बैठे रखा गया।

अस्पतालों में दिखने लगा गर्भ का असर

प्रदेश में डायरिया, बुखार और डिहाइड्रेशन के मरीजों में तेजी से इजाफा

परिवर्तन दृष्टि

लखनऊ। राजधानी समेत यहाँ के तमाम जिलों के अस्पतालों में गर्भों का असर दिखने लगा है। ओपीडी में बड़ी संख्या मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। ज्यादातर मरीजों में डायरिया, डिहाइड्रेशन के अलावा जुकाम-बुखार की समस्या है। इस बीच लखनऊ के अस्पतालों में शुक्रवार सुबह ही ओपीडी की लंबी लाइन देखी गई।

वही नवरात्रि के बाद अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी है। विशेषज्ञ ब्रत में खानापान में बदलाव के कारण को भी इससे जोड़ कर देख रहे हैं। हालांकि राहत की बात ये हैं कि ज्यादातर मरीजों को दवा से आराम मिल रहा है।

पेट की व्यवस्था के मरीज बढ़े: लोकबंधु में सुबह से ही रोजस्टेन काउटर पर मरीजों और तीमारदारों की भीड़ दिखी। इसे रुटीन के अलावा खांसी, जुकाम, दस्त समेत साकामक रोगों से पंडित मरीज भी रहे। पेट की समस्या से जुड़े मरीजों की कंसंख्या भी बढ़ी है।

लोकबंधु अस्पताल के मुख्य



चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव दीक्षित ने बताया कि अस्पताल में गर्भों की भी रहे। वहाँ भी मरीज लू की च्योट में आने वाले मरीजों के लिए अलग से उपचार की व्यवस्था की गई है। ऐसे मरीजों को जरूरत करने पर भूमि कर द्वाप चढ़ाव जा रही है।

बलरामपुर अस्पताल में भी मरीजों की भीड़ संख्या ज्यादा रही।

यान-पान में लाप्तवाही पड़ सकती है भारी

लखनऊ के मेयो हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र कुमार कहते हैं कि गर्भों का प्रकोप बढ़ रहा है। इस दौरान में लाप्तवाही भारी पड़ सकती है। इसलिए सब चेंगे। बाहर का खान-पान से बचें। हाइजीन को लेकर भी सतर्क रहें।



कुछ ऐसे ही हालात बलरामपुर अस्पताल में भी होते हैं। वहाँ भी मरीज सुबह से ही इलाज के लिए ओपीडी में पहुंचे। ओपीडी में सबसे ज्यादा मरीज फिजीशियन के विलिनिक में पहुंचे हैं। वहाँ भी खांसी, जुकाम और गर्भ से परेशान मरीजों की अनाज से दूरी के बाद नार्माल खानापान की सुरक्षा पहले थोड़ी हल्ली रखें।

बलरामपुर अस्पताल में भी मरीजों की भीड़ संख्या ज्यादा रही। इसके अलावा लंबी लाइन देखते हैं कि इसे ही हालात बलरामपुर अस्पताल में भी होते हैं। वहाँ भी मरीजों की भीड़ बढ़ी है।

पीएम के आगमन से पूर्व अलीगढ़ बाईर सील



अलीगढ़। प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अलीगढ़ में 22 अप्रैल को जनसभा करेंगे। उमाशंकर मैदान में पीएम का कार्यक्रम होगा और इसके लिए पंडाल लगने शुरू हो गए हैं। पीएम को अलीगढ़ में श्री लेलव की सुरक्षा व्यवस्था दी जाएगी और उनके साथ एपीजी के कमांडो भी मैजूद रहेंगे। पीएम की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस कर्मी ने लाइन के बाद राहत के चलते सुरक्षा की तरह से एपीएम की सुरक्षा को देखते हुए और अलीगढ़ की तरह भी उमाशंकर मैदान के साथ भी पीएम की सुरक्षा व्यवस्था दी जाएगी। उमाशंकर मैदान के आसपास की बिंबिंडोंगों में भी हथियारबंद सुरक्षा कर्मी तैनात किए जाएंगे। ड्रोन से निगरानी की जाएगी और जरा भी सांदर्भ गतिविधि होने पर तकलील कर्मी वार्चर्च की जाएगी। एपीएम की सुरक्षा को देखते हुए और अलीगढ़ की तरह भी उमाशंकर मैदान में जाएगी। उमाशंकर मैदान में चल रही तैयारियाँ को उनके बोने कारों के लिए डीजीपी की जायजा लेने के लिए एपीजी आगरा के प्लेटिनम मैडल से सम्मानित

जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ अलीगढ़ पहुंची और उन्होंने सुरक्षा का जायजा दिया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि पीएम श्री लेलव सुरक्षा में रहेंगे। पुलिस मैदान में साथ ही पीएम की सुरक्षा, सीआरपीएफ, स्पेशल फॉर्स सुरक्षा में तैनात रहेंगे। उमाशंकर मैदान के आसपास की बिंबिंडोंगों में भी हथियारबंद सुरक्षा कर्मी तैनात किए जाएंगे। ड्रोन से निगरानी की जाएगी और जरा भी सांदर्भ गतिविधि होने पर तकलील कर्मी वार्चर्च की जाएगी। एपीएम की सुरक्षा को देखते हुए और अलीगढ़ की तरह भी उमाशंकर मैदान में जाएगी। उमाशंकर मैदान में चल रही तैयारियाँ को उनके बोने कारों के लिए डीजीपी की जायजा लेने के लिए एपीजी आगरा

संदिग्ध खबरें

चार गांवों में तैयार फसलें जलकर हुई खाक

अलीगढ़। अतरौली थाना क्षेत्र के गांव गरियावाली में बिजली की तारों में शॉट सर्किट के कारण खेंबों में भीषण आग लग गई। खेंबों में गेहूं की पक्की हुई फसलें खेंबी थी और चिंगारी पड़ते ही उन्होंने आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और बढ़ी चली गई। किसान इससे पहले कोई कुछ नहीं किया गया है। उनके बाद राहत के चलते सुरक्षा ने गर्भों की मौत होने की खबर दी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस प्रशासन और फारम ब्रिगेड को दी। इसके साथ ही आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और फैलते ही चली गई। आग एक खेंब से दूरे खेंब पर अड़े थे। देर रात तक चली गई। यहाँ रात से गत 9:38 बजे उत्तरी राज्यों से एपीएम की लिए टेक ऑफ किया। कुछ ही मिनटों में पायलट को विमान में गड़बड़ी की

उड़ान भरते ही प्लाइट में आई तकनीकी खराबी

गोरखपुर-दिल्ली की प्लाइट अचानक लखनऊ हुई लैंड

गोरखपुर। गोरखपुर से दिल्ली जा रही अलायंस एयर की उड़ान में तकनीकी खराबी के चलते लखनऊ डायवर्ट हो गई। इसके बाद नाराज यात्रियों ने खुब हांगामा किया। एयरलाइंस ने रिफिंड का आयासन दिया, पर लोग दूसरी उड़ान से खुली भेजने की मांग पर अड़े थे। देर रात तक चली हांगामे के बाद आखिरकार रात सब 2 बजे काफी समझने के बाद लोग आयी शांत हुए। यात्रियों के मुताबिक प्लाइट 9क-810 गोरखपुर एयरपोर्ट पर रात 9:38 बजे उत्तरी राज्यों से एपीएम विमान के लिए टेक ऑफ किया। कुछ ही मिनटों में पायलट को विमान में गड़बड़ी की

किया गया है। एपीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ अलीगढ़ पहुंची और उन्होंने सोनी के मैडल से सम्मानित किया और प्रशस्तिपत्र भी प्रदान किया। इसके बाद नाराज यात्रियों ने खुब हांगामा किया। एयरलाइंस ने रिफिंड का आयासन दिया, पर लोग दूसरी उड़ान से खुली भेजने की मांग पर अड़े थे। देर रात तक चली हांगामे के बाद आखिरकार रात सब 2 बजे काफी समझने के बाद लोग आयी शांत हुए। यात्रियों के मुताबिक प्लाइट 9क-810 गोरखपुर एयरपोर्ट पर रात 9:38 बजे उत्तरी राज्यों से एपीएम विमान के लिए टेक ऑफ किया। कुछ ही मिनटों में पायलट को विमान में गड़बड़ी की

किया गया है। एपीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ अलीगढ़ पहुंची और उन्होंने सोनी के मैडल से सम्मानित किया और प्रशस्तिपत्र भी प्रदान किया। इसके बाद नाराज यात्रियों ने खुब हांगामा किया। एयरलाइंस ने रिफिंड का आयासन दिया, पर लोग दूसरी उड़ान से खुली भेजने की मांग पर अड़े थे। देर रात तक चली हांगामे के बाद आखिरकार रात सब 2 बजे काफी समझने के बाद लोग आयी शांत हुए। यात्रियों के मुताबिक प्लाइट 9क-810 गोरखपुर एयरपोर्ट पर रात 9:38 बजे उत्तरी राज्यों से एपीएम विमान के लिए टेक ऑफ किया। कुछ ही मिनटों में पायलट को विमान में गड़बड़ी की

किया गया है। एपीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ अलीगढ़ पहुंची और उन्होंने सोनी के मैडल से सम्मानित किया और प्रशस्तिपत्र भी प्रदान किया। इसके बाद नाराज यात्रियों ने खुब हांगामा किया। एयरलाइंस ने रिफिंड का आयासन दिया, पर लोग दूसरी उड़ान से खुली भेजने की मांग पर अड़े थे। देर रात तक चली हांगामे के बाद आखिरकार रात सब 2 बजे काफी समझने के बाद लोग आयी शांत हुए। यात्रियों के मुताबिक प्लाइट 9क-810 गोरखपुर एयरपोर्ट पर रात 9:38 बजे उत्तरी राज्यों से एपीएम विमान के लिए टेक ऑफ किया। कुछ ही मिनटों में पायलट को विमान में गड़बड़ी की

किया गया है। एपीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ अलीगढ़ पहुंची और उन्होंने सोनी के मैडल से सम्मानित किया और प्रशस्तिपत्र भी प्रदान किया। इसके बाद नाराज यात्रियों ने खुब हांगामा किया। एयरलाइंस ने रिफिंड का आयासन दिया, पर लोग दूसरी उड़ान से खुली भेजने की मांग पर अड़े थे। देर रात तक चली हांगामे के बाद आखिरकार रात सब 2 बजे काफी समझने के बाद लोग आयी शांत हुए। यात्रियों के मुताबिक प्लाइट 9क-810 गोरखपुर एयरपोर्ट पर रात 9:38 बजे उत्तरी राज्यों से एपीएम विमान के लिए टेक ऑफ किया। कुछ ही मिनटों में पायलट को विमान में गड़बड़ी की

किया गया है। एपीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ अलीगढ़ पहुंची और उन्होंने सोनी के मैडल से सम्मानित किया और प्रशस्तिपत्र भी प्रदान किया। इसके बाद नाराज यात्रियों ने खुब हांगामा किया। एयरलाइंस ने रिफिंड का आयासन दिया, पर लोग दूसरी उड़ान से खुली भेजने की मांग पर अड़े थे। देर रात तक चली हांगामे के बाद आखिरकार रात सब 2 बजे काफी समझने के बाद लोग आयी शांत हुए। यात्रियों के मुताबिक प्लाइट 9क-810 गोरखपुर एयरपोर्ट पर रात 9:38 बजे उत्तरी राज